

प्रेषक,

आशीष जोशी
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 05 जुलाई, 2010

विषय :- स्थायी कीड़ा उपकरणों के क्रय हेतु अनुदान

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रकरण में आपके पत्र संख्या-1298/बा0पत्रा0/2010-11 दिनांक-13-7-2010 एवं शासनादेश संख्या-430/VI-2/2010-21(7)/2010 दिनांक-10-6-2010 क्रम में सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि, स्थायी कीड़ा उपकरणों के क्रय हेतु प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत रु0 05.00 लाख (रु0 पांच लाख) मात्र के उपरान्त अवशेष बची धनराशि रु0 15.00 लाख (रु0 पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि अन्तिम किश्त के रूप में आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- i) उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि धनराशि आहरण/व्यय योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत धनराशि के संतोषजनक व्यय होने के उपरान्त ही किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। मदवार व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों एवं अन्य संगत प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, तथा वास्तविक व्यय के आधार पर ही आहरण/व्यय किया जाय।
- ii) उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। योजना सम्बंधी जारी दिशा-निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- iii) धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
- iv) उक्त अनुदान के सम्बन्ध में वित्तीय हस्तपुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय-16-क-अनुच्छेद-369 के सुसंगत प्राविधानों उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली एवं अनुदान सम्बंधी विद्यमान अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

धन

v) उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत 2204-खेलकूद तथा युवक सेवार्य-00-104 खेलकूद-16- स्थायी क्रीड़ा उपकरणों के कय हेतु अनुदान-00-20 सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता मद के आयोजनागत पक्ष के नाम में डाला जायेगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-278 (पी) /XXVII(3)/2009 दिनांक-27 जुलाई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(आशीष जोशी)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 531 /VI-I/2010-21 (07)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
7. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव